फरवरी-2024

अंक : 11/2023-24

ई-टी.आर.ओ. दर्पण

नागपुर मंडल, मध्य रेल

जब तक जीवन है तब तक सीखते रहो, क्योंकि अनुभव ही सर्वश्रेष्ठ शिक्षक है।

प्रेरणास्रोत
श्री एन. पी. सिंह
प्रधान मुख्य बिजली इंजीनियर
मध्य रेल, मुंबई

संरक्षक
श्री मनीष अग्रवाल
मण्डल रेल प्रबन्धक
मध्य रेल, नागपुर

मार्गदर्शक
श्री एच.एम. शर्मा
मुख्य बिजली इंजीनियर (परि)
मध्य रेल, मुंबई

मार्गदर्शक
श्री अनंत सदाशिव
मुख्य बिजली लोको इंजीनियर
मध्य रेल, मुंबई

निर्देशन
श्री पवन कुमार जयंत
वरि. मं. वि. इंजी. (परि.)
श्री पवन कुमार
मं. वि. इंजी. (परि.)
मध्य रेल, नागपुर

संकलनकर्ता
व्ही. के. गुप्ता
चालक प्रशिक्षक, नागपुर
9503012046

विशेष आकर्षण

- संदेश
- रनिंग रूम व लॉबी निरीक्षण
- स्पेड की घाटनाओ को रोकने हेतु दिशा - निर्देश
- ई– केस स्टडी

स्पेड विशेषांक

संदेश

मंडल कार्यालय
टी.आर.ओ. विभाग
मध्य रेल, नागपुर
E-mail : srdeetrongp@gmail.com

लोको पायलटो द्वारा रोक सिगनल को खतरे की स्थिति में पार करने की घटनाओं को रोकने के लिए काफी प्रयास किये जा रहें हैं, लेकिन इसके बाबजूद भी भारतीय रेल में इस प्रकार की घटनायें दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। अतः इसप्रकार की घटना को रोकने के लिए निरंतर प्रयास जरूरी है। इसी प्रयास को आगे बढ़ाते हुए इस माह के अंक को स्पेड विशेषांक के रूप में निकाला गया है । इसका एकमात्र उद्देश्य स्पेड की घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकना है।

अतः मुझे विश्वास है कि यह प्रयास निश्चित ही स्पेड की घटनाओं को कम करने में सहायक सिद्ध होगा।

(पवन कुमार जयंत)
वरि.मं.वि.इंजी.(परि.)/नागपुर

दि :18.02.2024

दि. 13.02.24 को श्री मनीष अग्रवाल, मंडल रेल प्रबंधक, मध्य रेल, नागपुर महोदय द्वारा आमला लॉबी एवं रनिंग रूम का निरीक्षण किया गया।

SPAD की घटनाओ को रोकने हेतु दिशा निर्देश

Ref: PCEE's office C.Rly l. No. L.102.LG.5.Safety/Accident-31 dated 19.04.2022

घर पर गुणवत्तापूर्ण आराम के महत्व को लोको पायलट और उसके परिवार को समझ में आना चाहिऐ।

कर्मीदल अपने मोबाइल को स्विच ऑफ करके अपने बैग में रखने के बारे में स्वयं सुनिश्चित करें।

SPAD की घटनाओ को रोकने हेतु दिशा निर्देश

चालक दल को अनिवार्य समय (30 मिनट) से पहले लॉबी में रिपोर्ट करने की सलाह दी जानी चाहिए। विशेष रूप से शुरुआती स्टेशन पर ट्रेनों के संचालन के लिए वह जल्दी में नहीं होना चाहिए।

शेड से लोको निकालते समय सभी सेफ्टी आईटम्स की जाँच प्रॉपर रिकार्ड के साथ अच्छी तरह से करनी चाहिये

बीपीसी की वैधता की जांच करें। जहां भी आवश्यक हो कंटिन्युटि टेस्ट (CONTINUITY- TEST) अवश्य करें।

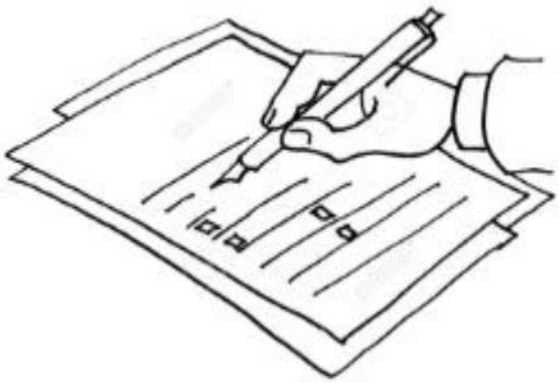

SOUTH CENTRAL RAILWAY
019197
INTENSIVE BRAKE POWER CERTIFICATE FOR AIR BRAKE (GOODS)
(CLOSED CIRCUIT RAKES)
ISSUED BY (Nominated Intensive Exam. Point/Div./Rly.)
NOMINATED CLOSE CIRCUITS
Date 16-12-2012
BPC No. 019197
INSTRUCTIONS
A. GUARDS AND DRIVERS :
Before starting the train, guard and driver should
Continuity of air pressure from first to last vehicle

लोको पायलट और सहायक लोको पायलट दोनों द्वारा लोको का प्रभार लेते समय RS वाल्व की उचित कार्यप्रणाली की जांच की जानी चाहिए। सभी लोको पॉयलटों को गाड़ी शुरु करने से पूर्व ब्रेक्स के लगने और रिलीज होने की जाँच करने की सलाह दी जाती है।

SPAD की घटनाओ को रोकने हेतु दिशा निर्देश

लोको पायलट जब भी लोकोमोटिव / ट्रेन का कार्यभार संभालेंगे तो शुरू करने से पहले लोको की अच्छी तरह जांच कर लें तथा ब्रेक फील टेस्ट और ब्रेक पावर टेस्ट अवश्य करें।

मोटरमैन द्वारा अपनी गाड़ी के लिए सिगनल सुनिश्चित करने के बाद ही स्टार्टिंग बेल दी जानी चाहिए।

SPAD की घटनाओ को रोकने हेतु दिशा निर्देश

लोको पायलट और सहायक लोको पायलट को टर्मिनल स्टेशन/रिलीविंग प्वाइंट पर पहुंचने से पहले अपना सामान पैक करना शुरू नहीं करना चाहिए।

जहां दो सिग्नल (इंटरमीडिएट सिग्नल) दिए जाते हैं, वहां विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए, विशेष तौर पर जहां एक लाइन यार्ड में जाती है। सुनिश्चित करें कि आपकी ट्रेन के लिए प्रस्थान के सही सिगनल दिए गए हैं।

SPAD की घटनाओ को रोकने हेतु दिशा निर्देश

एलपी/मोटरमैन/एएलपी पीले सिग्नल को पास करते समय किसी भी समय ट्रेन को रोकने के लिए तैयार रहना चाहिए क्योंकि अगले सिग्नल का संकेत लाल हो सकता है। सिग्नल पार होने तक सिग्नल पर लगातार नजर बनाये रखें।

रन के दौरान एलपी/एएलपी कभी-कभी आकस्मिक बातचीत में लगे रहते हैं और उनका ध्यान भटक जाता है, इसलिए एलपी/एएलपी को संचालन के दौरान और सेक्शन की विशिष्ट स्थितियों जैसे अगले सिग्नल संकेत, सीडीओ, गेट लोकेशन और सेक्शन में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए पूरी एकाग्रता के साथ ट्रेन चलानी चाहिए। किसी भी घटना के दौरान ट्रेन को नियंत्रित करने के लिए एएलपी द्वारा एलपी को सूचित किया जाना चाहिए।

SPAD की घटनाओ को रोकने हेतु दिशा निर्देश

एलपी/मोटरमैन/एएलपी को संकेतों के नियत स्थान का ज्ञान होना चाहिए और एलपी/ मोटरमैन/ एएलपी द्वारा सिग्नल के उचित संकेत की पुष्टि की जानी चाहिए।

LRD का अपुर्ण ज्ञान भी SPAD का प्रमुख कारण है। इसलिए, सभी एलपी/ मोटरमैन/ एएलपी को सेक्शन का विशिष्ट ज्ञान होना चाहिए और सिग्नल के पीले संकेत को पार करने के बाद एएलपी को ट्रेन के प्रभावी नियंत्रण के लिए अगले सिग्नल के खतरे के संकेत को बार-बार दोहराना चाहिए।

SPAD की घटनाओ को रोकने हेतु दिशा निर्देश

सभी मालगाड़ी एग्जामिनेशन के दौरान APM की जाँच अवश्य की जानी चाहिये

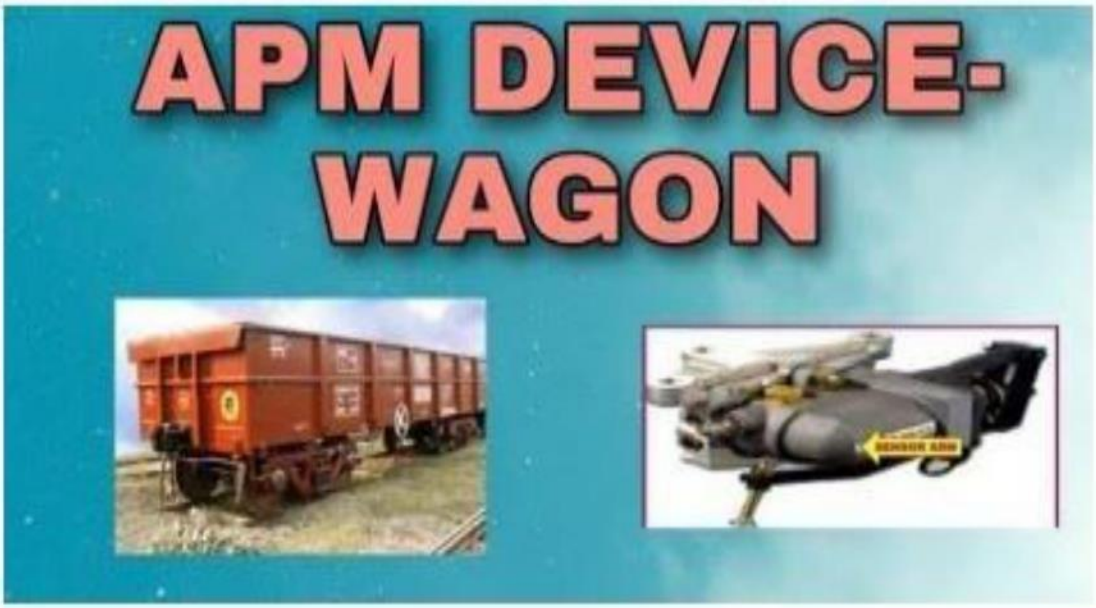

कुछ रेक में ट्रेन (बीएलसी, बीटीपीएन आदि) के रुकने के समय लोड साइड से पुश करने की प्रवृत्ति होती है। इसलिए, ऐसी ट्रेनों को सिग्नल से पर्याप्त दूरी पहले रोक दिया जाना चाहिए और ट्रेन को धीमी गति के साथ फिर से शुरू किया जाना चाहिए और उचित स्थान पर रोकना चाहिये।

SPAD की घटनाओ को रोकने हेतु दिशा निर्देश

गाडी चालन के दौरान एलपी/एएलपी का ध्यान दूसरी लाइन पर गुजरने वाली ट्रेनों से सिग्नल के आदान-प्रदान के कारण भंग होता हैं, अत: एलपी/एएलपी को ऐसी स्थिति में विशेष ध्यान रखना चाहिए और मुख्य रूप से अपने स्वयं के सिग्नल संकेतों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

बाजू की लाईन से गाड़ी गुजरने या गाड़ी स्टेबल होने के कारण यदि सिग्नल की दृश्यता मे कोई रुकावट है तो वह बहुत ही सतर्कता पूर्वक आगे बढ़ेगा ताकि गाड़ी को किसी भी क्षण रोका जा सके।

SPAD की घटनाओ को रोकने हेतु दिशा निर्देश

उपनगरीय क्षेत्र में, मोटरमैन को प्लेटफॉर्म प्रवेश गति 40 किमी प्रति घंटे से कम और प्लेटफॉर्म के बीच में गति 25 किमी से कम रखकर प्लेटफॉर्म ओवरशूट को नियंत्रित करना चाहिए। स्पीड चार्ट के विश्लेषण से इस की जांच की जा सकती है ।

लोकोमोटिव में आनेवाली छोटी-छोटी ट्रबल का एलपी/एएलपी को ट्रबल शूटिंग का विशिष्ट ज्ञान होना चाहिए क्योंकि ज्ञान ना होने के कारण यह क्रु में मानसिक तनाव पैदा करती हैं।

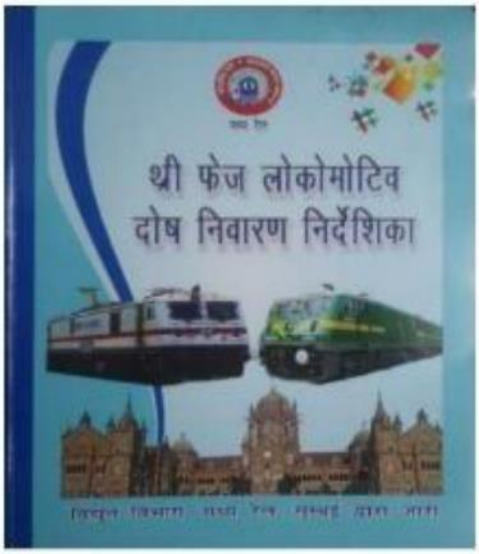

SPAD की घटनाओ को रोकने हेतु दिशा निर्देश

यदि किसी सिग्नल की दृश्यता खराब है या उसकी दृश्यता मे कोई रुकावट है तो उसे प्रथम अवसर पर ही सूचित किया जाना चाहिए ताकि अन्य चालक दल को उचित परामर्श दिया जा सके।

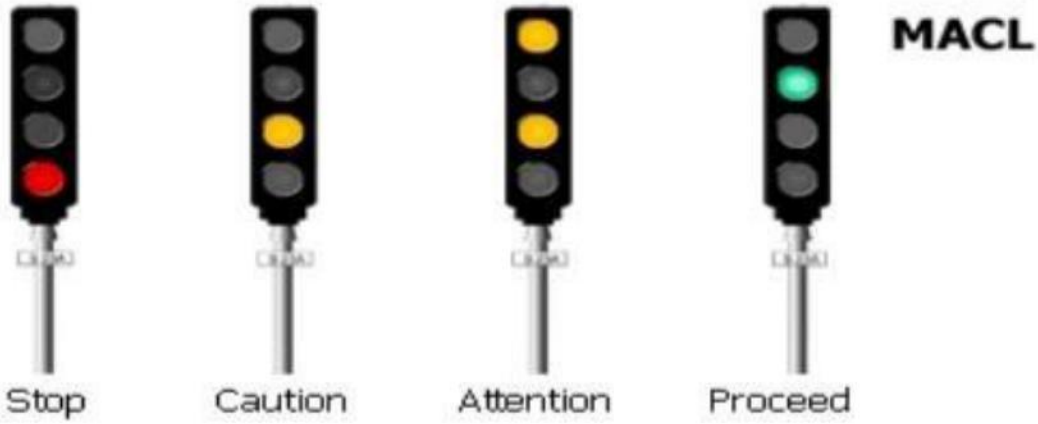

यदि एडवांस सिगनल दिखाई नहीं दे रहा है तो ट्रेनो का संचालन तब तक सावधानी से किया जाना चाहिए जब तक कि एडवांस सिगनल का संकेत न दिखाई दे।यदि सिग्नल का संकेत पीला या लाल है तो इसे लगातार कॉलआऊट किया जाये। यदि सिग्नल का संकेत लाल है तो इसे गाड़ी से सिग्नल के बीच लगभग दूरी को भी गाड़ी रुकने तक लगातार कॉलआऊट किया जाये

SPAD की घटनाओ को रोकने हेतु दिशा निर्देश

एक पीला सिगनल पार करने के बाद और लाल सिगनल के पास पहुँचते समय अपने ध्यान को भटकने ना दें।

लाल सिगनल के पास पहुँचते समय एएलपी अपना हाथ आरएस फ्लैप वॉल्व पर रखेगा और ऑपरेट करने के लिये एकदम तैयार रहेगा, साथ ही साथ सुनिश्चित करेगा कि पूरी तरह से ब्रेक लग गये हैं और गाड़ी लाल सिगनल के पहले ही रुक गई है।

SPAD की घटनाओ को रोकने हेतु दिशा निर्देश

सिगनल के संकेतों को हाथ के इशारे से सिगनल के नाम सहित कॉल आउट किया जाना चाहिए । ऑटोमेटिक सेक्शन में सिगनल नंबर के साथ सिगनल को कॉल आउट किया जाना चाहिए। यदि कोई सिगनल दिखाई नहीं देता है तो उसे भी "मुझे दिखाई नहीं दिया " कॉल आउट करें ताकि कैब में उपस्थित अन्य व्यक्ति अत्यधिक सतर्क हो जाये।

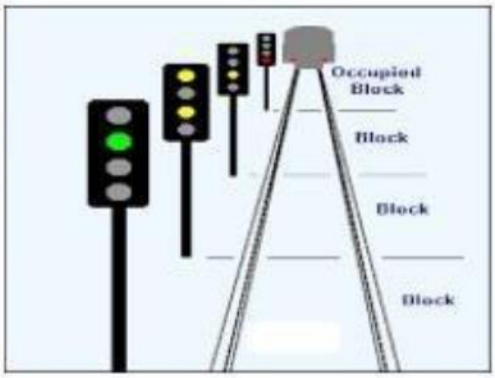

कॉशन ऑडर एलपी/एएलपी द्वारा अलग से लिया जाना चाहिए और पर्याप्त सावधानी रखने के लिए व्यक्तिगत रूप से कॉशन ऑर्डर को हायलाईट करके रखना चाहिए। अचानक लागू हुए कॉशन ऑर्डर को भी एलपी तथा एएलपी दोनों को दिया जाना चाहिये।

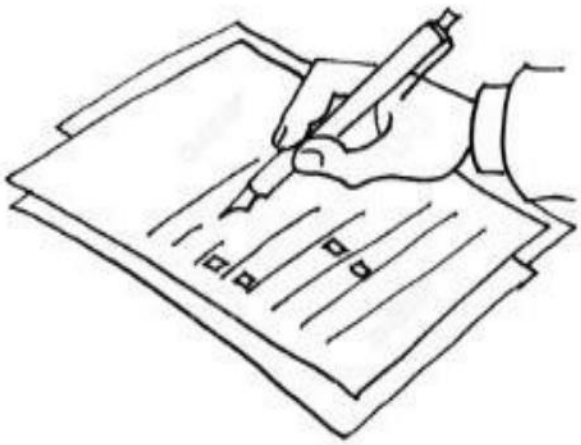

SPAD की घटनाओ को रोकने हेतु दिशा निर्देश

मोटरमैन या एलपी को कैब में यात्रा करने वाले व्यक्ति पर ध्यान नहीं देना चाहिए विशेष रूप से पीला सिग्नल पार करने के बाद, और कैब में यात्रा करने वाले व्यक्ति को किसी भी तरह से इंजन क्रू का ध्यान नहीं भटकाना चाहिए।

लाँग हुड लोकोमोटिव में, एलपी और एएलपी को सिग्नल के संकेतों को बहुत सावधानी से सुनिश्चित करना चाहिए।

SPAD की घटनाओ को रोकने हेतु दिशा निर्देश

सिग्नल ON होने पर गाड़ी को बहुत धीमी गति से चलाते हुए ऑन सिगनल के पहले रोक दिया जाना चाहिए।

लूप लाइन से ट्रेन शुरू करते समय पहले एलपी/एएलपी को प्वाइंट की सेटिग सुनिश्चित करनी चाहिए, फिर लूप लाइन सिग्नल की और इन दोनों की जांच के बाद ट्रेन शुरू करनी चाहिए।

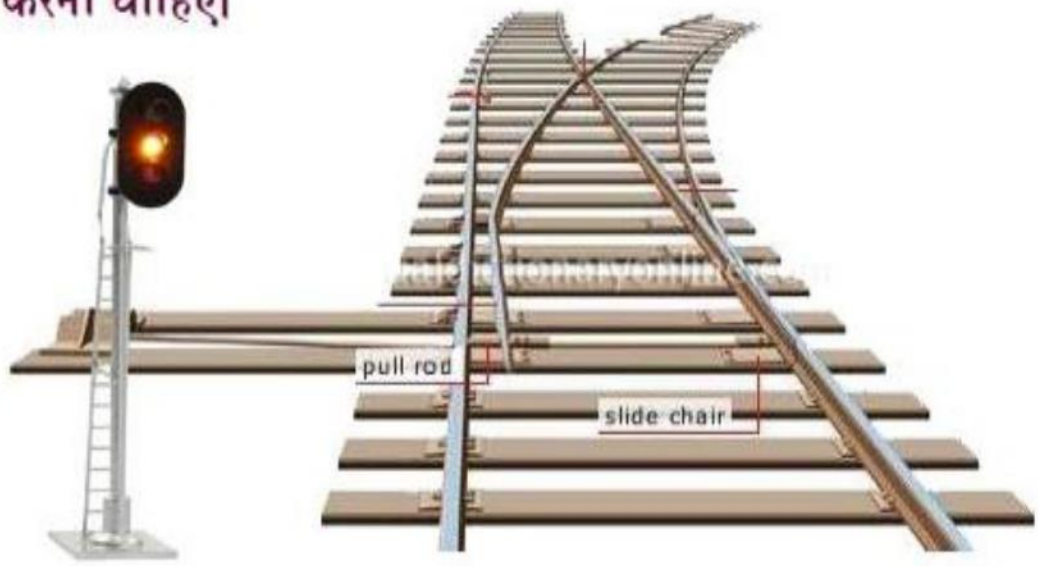

SPAD की घटनाओ को रोकने हेतु दिशा निर्देश

यदि दृश्यता खराब है, तो एल पी/ए एल पी को और अधिक सचेत/सतर्क होना चाहिए और सिगनल काल आउट केवल यह सुनिश्चित करने के बाद ही किया जाना चाहिए कि सिगनल केवल उनकी ट्रेन से संबंधित है।

दोनों चश्में साथ लेकर ड्यूटी पर आऐं।

SPAD की घटनाओ को रोकने हेतु दिशा निर्देश

ओवर स्पीडिंग और अति आत्मविश्वास (ओवर कॉन्फिडेंस) से बचें।

जब किसी भी कारण से कोई सिगनल दिखाई नहीं दे रहा है तो एल पी/मोटरमैन को इसके संकेत को लाल मान लेना चाहिए।

केस स्टडी- 1 (जनवरी-2024)

जारी तिथि : 16.01.2024

SPAD

घटनाक्रम:- दिनांक 15.01.24 को मध्य रेल के मुम्बई मण्डल में ट्रेन क्र. SKP-10, रेक नं. (Unit-2182+2184+2183+2181) Siemens rake, सेक्शन: पलसदरी-कर्जत में कार्य करते समय पलसदरी स्टेशन से गुजरते समय, SKP-10 के मोटरमैन को सिग्नल नंबर S-1 और S-2 लाल दिखा और EMU कैब में ऑडियो बजर शुरू हो गया। जैसे ही S-2 सिग्नल लाल से पीला हुआ (जोकि दुसरी लाइन के लिए था), मोटरमैन ने S-1 सिग्नल के बजाय S-2 सिग्नल के पीले संकेत को देखकर ऑडियो बजर बंद कर दिया और मोटरमैन ने जैसे ही अपनी लाइन का S-1 सिग्नल को ऑन (लाल) में देखा तुरंत ही आपातकालीन ब्रेक लगाया, उस समय गाड़ी की गति 30-35 Kmph थी, परंतु गाड़ी S-1 सिग्नल को ऑन स्थिति में पार करके 60 मिटर आगे जाकर रुकी। (समय: सुबह 11.40 बजे)

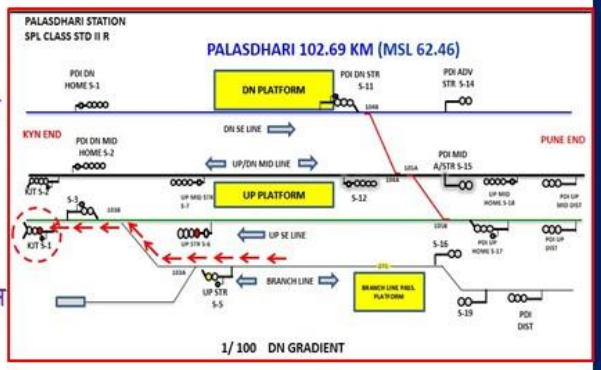

संभावित कारण :-

- मोटरमैन को अपनी लाइन के सिग्नल सिगनल लोकेशन (DN ग्रेडिएंट/ कर्वेचर) की सही/उचित जानकारी का न होना।
- मोटरमैन द्वारा सिग्नल को लेकर भ्रम की स्थिति होना।
- S-1 व S-2 सिग्नलों का एक दुसरे से सामानांतर पर स्थित होना।
- मोटरमैन द्वारा अपना सिग्नल सुनिश्चित किये बिना ही ऑडियो बजर बंद करना व ट्रेन में ब्रेक देर से एप्लाई करना I

उपरोक्त घटना से सबक:-

- ✓ मोटरमैन स्टेशन/लाइन/सिग्नल नंबर के साथ हाथ के इशारे से सिग्नल को ज़ोर से पुकारें।
- ✓ LRD में मोटरमैन को अपनी लाइन के सिग्नल लोकेशन की सही जानकारी लेनी चाहिए।
- ✓ एक पीला सिग्नल पार करते समय अगला सिग्नल लाल है, यह मानकर सिग्नल पर रुकने के लिए तैयार रहना चाहिए।
- ✓ अपनी लाइन का ही सिग्नल ऑफ है, यह सुनिश्चित होने के बाद ही गाड़ी की गति बढ़ाये।

(पवन कुमार जयंत)
वरि.मं.वि.इंजि.(परि.),नागपुर

केस स्टडी- 2 (जनवरी-2024)

जारी तिथि : 24.01.24

SPAD

घटनाक्रम:- दिनांक 22.01.24 को उत्तर मध्य रेल के प्रयागराज मण्डल में ट्रेन क्र. 11055 DN लोको क्र. 39033 KYN से जबलपुर मुख्यालय के कर्मीदल द्वारा कार्य करते समय, STA-PRYJ खण्ड के LOG (लोहगरा) स्टेशन का डिस्टेंस सिग्नल एक पीला दिखा, पूरे सेक्शन में घना कोहरा छाया था (दृश्यता लगभग 70 मीटर थी) तथा FSD भी कार्यरत था। लोको पायलट ने गाड़ी की गति 16 Kmph तक कम कर ली, किन्तु उसके बाद 39 Kmph तक गाड़ी की गति बढ़ा दी, आगे सिग्नल लाल था व घना कोहरा होने के बावजूद कर्मीदल ने गति पर ध्यान नहीं दिया, इमरजेंसी ब्रेक लगाने पर भी गाड़ी लोहगरा स्टेशन के होम सिग्नल (जो कर्व में था) को 21Kmph से लाल स्थिति में पार करके 14 मीटर आगे खड़ी हुई (समय:-07:58)।

संभावित कारण :-

- कर्मीदल द्वारा सेक्शन में घना कोहरा होने के बावजूद भी गाड़ी की गति को नियमानुसार कम न करना।
- कर्मीदल द्वारा कोहरे के मौसम में ली जाने वाली सावधानियो का पालन न करना।
- कर्मीदल द्वारा सिग्नल के संकेतो के अनुसार गाड़ी की गति नियंत्रित न करना।
- सहायक लोको पायलट द्वारा चालक की गतिविधियों पर ध्यान न देना।

उपरोक्त घटना से सबक:-

- ✓ कोहरे के मौसम में ली जाने वाली सावधानियो का कड़ाई से पालन करें।
- ✓ सिग्नल के संकेतो के अनुसार गाड़ी की गति नियंत्रित करें।
- ✓ सहायक चालक एक पीला सिग्नल पार करते समय लोको पायलट की गतिविधियों व गति पर ध्यान दें।
- ✓ एक पीला सिग्नल पार करते समय अगला सिग्नल लाल मानकर सिग्नल पर रुकने के लिए तैयार रहें।
- ✓ लाल सिग्नल से पहले गाड़ी खड़ी करने के लिए लोको पायलट समय से ब्रेकिंग करना सुनिश्चित करें।
- ✓ ALP लाल सिग्नल पर बढ़ते समय थोड़े अंतराल पर LP को "आगे सिग्नल लाल है" याद दिलाते रहें तथा आपात स्थिति भाँपते ही बेझिजक RS खोलें
- ✓ हमेशा ध्यान रखें कि कोहरे के समय गाड़ी की गति उतनी ही रखें, जितनी गति में कर्मीदल अपनी सीट से OHE मास्ट नंबर को आसानी से पढ़ लें।

(पवन कुमार जयंत)
वरि.मं.वि.इंजि.(परि.),नागपुर

सभी मुख्य लोको निरीक्षक/मुख्य लोको नियंत्रक उपरोक्त निर्देशों को सभी लोको रनिंग कर्मचारियों को अवगत कराएं एवं कड़ाई से पालन करना सुनिश्चित करें।

केस स्टडी-1 (फरवरी-2024)

जारी तिथि : 07.02.24

SPAD

घटनाक्रम:- दिनांक 06.02.24 को मध्य रेल के नागपुर स्टेशन में ट्रेन क्र. 12809 DN, लोको क्र. 37011/Tata से दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे के NGP मण्डल मुख्यालय के कर्मीदल द्वारा कार्य करते समय, प्लैटफ़ार्म नंबर 6 का स्टार्टर सिग्नल S-71, 11.40 बजे मिलने के उपरांत लोको पायलट ने गाड़ी स्टार्ट की, 11.45 बजे कर्मीदल को वाकी-टाकी पर "गाड़ी खड़ी करो" की आवाज़ सुनाई दी। लोको पायलट ने गाड़ी तुरंत 11.46 बजे खड़ी कर दी, बाद में लोको पायलट को बताया गया कि आपने इंटरमिडिएट स्टार्टर S-85 (जो कि दायीं ओर स्थित था) को ऑन स्थिति में पास करके आए हैं। (समय:-11:45 बजे , दूरी 119 मिटर आगे व गति 9 Kmph)। ट्रेन क्र. 22846 UP को पहले प्लैटफ़ार्म नंबर 3 पर लेना था जिसकी वजह से इंटरमिडिएट स्टार्टर नंबर S-85 को लाल रखा गया था ताकि होम सिग्नल नंबर S-98 पर खड़ी गाड़ी 22846 UP को लिया जा सके।

संभावित कारण:-

- ✓ कर्मीदल ने इंटरमिडिएट स्टार्टर नंबर S-85 (जो कि दायीं ओर स्थित था) को नजर अंदाज़ किया।
- ✓ लोको पायलट के कथनानुसार उसका ध्यान 'D' केबिन पर चला गया था, जिसकी वजह से इंटरमिडिएट स्टार्टर सिग्नल S-85 पर ध्यान नहीं गया।
- ✓ सहायक लोको पायलट के कथनानुसार उसका ध्यान बाजू वाली गाड़ी क्र. 22846 पर था, जिसकी वजह से इंटरमिडिएट स्टार्टर S-85 को देखने से चूक गया।

उपरोक्त घटना से सबक:-

- ✓ लोको पायलट/ सहायक लोको पायलट स्टेशन/लाइन/सिग्नल नंबर के साथ हाथ के इशारे से सिग्नल को ज़ोर से पुकारे।
- ✓ एक पीला सिग्नल मिलने पर अगला सिग्नल लाल ही होगा, यह मानकर गाड़ी को कंट्रोल करें।
- ✓ एक पीला सिग्नल मिलने के बाद, ALP ने LP को बार बार याद दिलाना चाहिए कि आगे सिग्नल लाल है।
- ✓ गाड़ी प्रस्थान करते समय, सिग्नल के नजदीक पहुँचते समय कर्मीदल को अन्य किसी गतिविधियों में अपने को लिप्त नहीं करना चाहिए।
- ✓ एक पीला सिग्नल दिखाई देने पर कर्मीदल को अन्य किसी गतिविधियों में अपने को लिप्त नहीं करना चाहिए।
- ✓ सिग्नल के संकेतो का कड़ाई से पालन करें व ट्रेन की गति हमेशा सिग्नल के अनुसार नियंत्रण में रखें।
- ✓ ALP को LP की गतिविधियों पर नजर रखनी चाहिए व किसी भी खतरे की स्थिति को भांपते हुए तुरंत RS वाल्व खोल देना चाहिए।

(पवन कुमार जयंत)
वरि.मं.वि.इंजि.(परि.),नागपुर

केस स्टडी-2 (फरवरी-2024)

जारी तिथि : 12.02.24

SPAD

घटनाक्रम:- दिनांक 09.02.24 को दक्षिण मध्य रेल के गुंतकल (GTL) स्टेशन से ट्रेन क्र. 12976 DN, लोको क्र. 39158/KJM के साथ स्टार्ट हुई। अगला स्टेशन तिम्मनचेर्ला (TIM) का होम सिग्नल On Approach एक पीला मिला। जिसे देखकर लोको पायलट ने गाड़ी की गति लगभग 60Kmph तक बढ़ा दी। कर्मीदल भूल गया कि वह होम सिग्नल को एक पीला की स्थिति में पार करके आया है। कर्मीदल को जब मेन लाइन स्टार्टर लाल दिखा तो आपातकालीन ब्रेक लगाया परंतु गाड़ी मेन लाइन स्टार्टर को ऑन स्थिति में 52 Kmph गति से पार करके 140 मीटर आगे जाकर खड़ी हुई। (समय : 09.12 बजे, ग्रेडिएंट: 1:136 डाउन, कर्व: 1.5^0, मौसम : साफ)

संभावित कारण:-

- ✓ कर्मीदल को सतर्कता आदेश को लेकर कुछ संशय हो रहा था, इस बात को लेकर दोनों आपस में चर्चा करने में लग जाना।
- ✓ लोको पायलट को होम सिग्नल एक पीला मिलने पर अगला सिग्नल लाल ही होगा, इसका पालन न करते हुए गाड़ी की गति नियंत्रित न करना।
- ✓ लोको पायलट द्वारा एक पीला संकेत मिलने पर गाड़ी की गति नियम से अधिक बढ़ा देना।
- ✓ लोको पायलट द्वारा ट्रेन में ब्रेक देर से एप्लाई करना।
- ✓ कर्मीदल द्वारा स्टार्टर सिग्नल के संकेत को देखे बिना गाड़ी की गति बढ़ा देना।

उपरोक्त घटना से सबक:-

- ✓ कर्मीदल को सतर्कता आदेश मिलने के उपरांत अच्छी तरह से देख / समझ लेना चाहिए, यदि किसी भी प्रकार का संशय हो तो उसका निराकरण अवश्य कर लें।
- ✓ गाड़ी प्रस्थान करते समय, सिग्नल के नजदीक पहुँचते समय कर्मीदल को अन्य किसी गतिविधियों में अपने को लिप्त नहीं रहना चाहिए।
- ✓ एक पीला सिग्नल दिखाई देने पर कर्मीदल को अन्य किसी गतिविधियों में अपने को लिप्त नहीं रहना चाहिए।
- ✓ लोको पायलट/ सहायक लोको पायलट स्टेशन/लाइन/सिग्नल नंबर के साथ हाथ के इशारे से सिग्नल को ज़ोर से पुकारें।
- ✓ एक पीला सिग्नल मिलने पर अगला सिग्नल लाल ही होगा, यह मानकर गाड़ी को कंट्रोल करें।
- ✓ एक पीला सिग्नल मिलने के बाद, ALP ने LP को बार बार याद दिलाना चाहिए कि आगे सिग्नल लाल है।
- ✓ ALP को LP की गतिविधियों पर नजर रखनी चाहिए व किसी भी खतरे की स्थिति को भांपते हुए तुरंत RS वाल्व खोल देना चाहिए।

BACK

(पवन कुमार जयंत)
वरि.मं.वि.इंजि.(परि.),नागपुर

सभी मुख्य लोको निरीक्षक/मुख्य लोको नियंत्रक उपरोक्त निर्देशों को सभी लोको रनिंग कर्मचारियों को अवगत कराएं एवं कड़ाई से पालन करना सुनिश्चित करें।